पाठ – 3

बदला बसेरा

BBDQPG

समलू अपनी बेटी जया के साथ दरवाजे की चौखट पर बैठे हुए बबलू का इंतजार कर रहा था। रात होने वाली थी, परन्तु बबलू अभी तक घर नहीं लौटा था।

करीब दो साल पहले समलू भाई का परिवार गोला गाँव से कोलकाता आया था। एक दूर के रिश्तेदार की मदद से समलू भाई ने मछली पकड़ने के जाल की मरम्मत का काम शुरू किया। इससे जो आमदनी होती थी उससे घर का खर्च ठीक से नहीं चल पाता था। घर का किराया, खाना, दवाई आदि में पैसा खर्च करना पड़ता था। यहाँ तो पानी भी खरीदना पड़ता था। मजबूरन छोटे बबलू को भी मछली की मंडी में काम करना पड़ा।

बबलू मछली की मंडी में सुबह चार बजे से सात बजे तक काम करता था। मंडी में मछलियों को साफ करना तथा छोटी–बड़ी मछलियों को छाँटना उसका काम था। इसके बाद वह घर आता, थोड़ी देर सो कर फिर शाम को सब्जी मंडी में घूमता। कभी रेलवे स्टेशन पर जाकर खाली बोतलें ढूँढ़कर कबाड़ी वाले को बेचता। इस तरह उसका जीवन जैसे–तैसे ही चल रहा था।

अब तो रात भी हो चुकी है, परन्तु बबलू अभी तक घर नहीं आया। जया अपनी खिड़की से पड़ोसी के टेलीविजन पर फिल्म देख रही थी। समलू का मन टेलीविजन देखने में नहीं लगता था। शहरी जीवन कितना अजीब था। कितनी नई और विचित्र दुनिया थी। दिन भर का समय काम की भाग–दौड़ में बीत जाता था, मगर शाम होते ही उसे अपने गाँव की याद आ जाती।

"JCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

सोचो और बताओ:–

- समलू भीड़ में रहकर भी अकेला महसूस कर रहा था। क्या तुम्हारे साथ भी कभी ऐसा हुआ है?
- अपनी जगह छोड़कर दूर किसी नई जगह पर रहना कैसा लगता होगा?
- कुछ परिवार गाँव से बड़े शहरों में क्यों आते होंगे?
- क्या तुमने ऐसे बच्चों को देखा है, जो काम पर भी जाते हैं? एसे बच्चे अपनी पढ़ाई किस प्रकार करते होंगे?
- ये बच्चे किस प्रकर के काम करते हैं? इन्हें यह काम क्यों करना पड़ता होगा?

पुरानी यादें

समलू का जन्म गोला गाँव में हुआ था। वह गांव हरे–भरे जंगलों एवं पहाड़ों के बीच बसा हुआ था। वे लोग अपने दादा के जन्म के पहले से यहाँ रह रहे थे।

समलू के गाँव का माहौल शांतिपूर्ण था। गाँव में नदी की कल–कल, पेड़ों की सरसराहट, पंछियों की चहक थी। यहाँ के लोग खेतों में काम करते थे। गाँव के लोग जंगलों में जाकर कंद–मूल, साग–सब्जी, और सूखी टहनियाँ लाते। वे सभी काम करते समय बातें करते और गीत गुनगुनाते।

बड़ों के साथ काम करके छोटे बच्चे भी काम सीख जाते। जैसे– बांसुरी बजाना, ढोल–मांदर बजाना, मिट्टी और बाँस के बर्तन बनाना, पक्षियों को पहचानना, उनकी नकल करना आदि। लोग जंगल से इकट्ठा किए गए सामानों का इस्तेमाल करते। वे नई–नई चीजें बनाते थे एवं इसमें से कुछ सामान वे नदी के दूसरी तरफ के बड़े गाँवों में जाकर बेच देते थे। बेचने से मिले पैसों से वे अपनी जरूरत का सामान खरीदते।

"JCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

शादी–ब्याह के कार्य और झगड़े गाँव के बड़े–बुजुर्ग आपस में मिलकर निपटाते।

समलू खेती का काम अकेले करता था क्योंकि वह जवान हो चुका था। अब वह जंगल से फल, कंद, दवाई के लिए पत्तियाँ, छाल, नदी की मछली आदि लाकर दोस्तों के साथ आस–पास बेचा करता। गाँव में त्योहार के समय अपनी उम्र के लड़के–लड़कियों की टोली में नाचता और ढोल भी बजाता।

बताओ :–

- तुम अपने आस–पास के बच्चों से क्या–क्या सीखते हो?
- तुम अपने बड़ों से क्या–क्या सीखते हो?
- तुम हर रोज किन–किन पक्षियों की आवाजें सुनते हो?
- क्या तुम किसी पक्षी या जानवर की आवाज की नकल कर सकते हो? करके दिखाओ।
- क्या तुमने सन्नाटा महसूस किया है? कब और कहाँ ?

नदी के पास

एक दिन गाँव वालों को पता चला कि उनकी नदी पर बड़ा बाँध बनने वाला है। तब गोला और उसके आस–पास के गांव पानी में डूब जाएँगे, क्योंकि नदी को रोककर एक बहुत बड़ी दीवार खड़ी कर दी जाएगी। गोला तथा आस–पास के गाँवों के लोगों को अपने पिता एवं पूर्वजों की जमीन को छोड़कर नई जगह चले जाना होगा।

कुछ दिन बाद सरकारी लोग पुलिस बल को लेकर गाँव–गाँव पहुँचने लगे। गाँव के छोटे बच्चों ने तो पहली बार पुलिस देखी। कुछ बच्चे उनके पीछे भागे तो कुछ डर से रोने लगे। वे नदी की चौड़ाई, लम्बाई, गाँव के घर, खेत, जंगल, सब नापने लगे। उन्होंने गाँव के बड़ों के साथ मीटिंग भी की और कहा, ''गाँवों को नदी किनारे से हटना होगा। उनकी जमीनें बाँध के पानी में डूब जाएँगी।'' समलू और उसके गाँव के सभी लोगों को अपना गाँव छोड़ना ही पड़ा। गाँव के घर और जमीन के बदले सरकार से उसे कुछ राशि प्राप्त हुई, जिसे लेकर वह कोलकाता आ गया, जहाँ उसके रिश्ते के कुछ लोग रहते थे।

"NCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

चर्चा करो और बताओ :–

- क्या आपके आस–पास के गाँव के लोगों को किसी कारण से अपने जंगल जमीन छोडकर दूसरी जगहों पर जाना पड़ता है ?
- तुम अपने परिवार के बारे में सोचते हो तो तुम्हारे मन में कौन–कौन आता है?
- क्या तुमने ऐसे लोगों के बारे में सुना है, जो अपनी पुरानी जगह से हटना पसंद नहीं करते ? उनकी कुछ बातें बताओ।
- क्या तुम कोई ऐसी जगह जानते हो, जहाँ स्कूल है ही नहीं ?

समलू को अपने गोला गाँव की याद सताती रहती थी। क्योंकि समलू को कोलकाता में मन नहीं लग रहा था। उसने कोलकाता में मकान खरीदने के लिए पैसे बचाना शुरू कर दिया। उसके रिश्तेदारों ने कहा– यह जगह भी छोड़नी पड़ सकती है। यह सुनकर समलू डर गया। उसने सोचा गोला गाँव छोड़कर कोलकाता में। अब यहाँ से भी हटना पड़ा, तो कहाँ जाएँगे?

पता करो और लिखो :–

- क्या तुम किसी बच्चे या परिवार को जानते हो, जो दूसरी जगह से तुम्हारे घर के आस–पास आकर रह रहे हैं?
- वे कहाँ से आए है? उन्हें यहाँ क्यों आना पड़ा?
- उनसे पता करो कि उनकी पहले वाली जगह कैसी थी? उसकी तुलना में नई जगह कैसी है?
- क्या वे कुछ ऐसी चीजें बनाना जानते हैं, जो तुम नहीं जानते? क्यों?

शिक्षक के लिए :–

'अपनी जगह से हटा दिया जाना' और 'तबादला होना' इन दोनों में होने वाली परेशानियों के बारे में विस्तार से बताएँ। देश के विकास के लिए बहुत सारी

"JCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

बड़ी–बड़ी योजनाएँ बनती है। जैसे– पुल, कारखाने, हाइवे इत्यादि। क्या इनसे सभी लोगों की भलाई होती है? इस विषय पर आपस में बातचीत करो। रोज खबरों में आनेवाली घटनाओं से जोड़ो।

चर्चा करो :–

- तुमने शहर के किसी मुहल्ले को हटाने के बारे में सुना या पढ़ा है? तुम्हें यह कैसा लगता है?

वाद–विवाद करो :–

- कुछ लोगों का यह सोचना है कि शहर के लोग गंदगी नहीं फैलाते हैं। शहर की गंदगी झुग्गी–झोपड़ियों से हैं। तुम्हें क्या लगता है? आपस में इस विषय पर चर्चा करो।

हमने सीखा:–

- कई परिवार अलग–अलग कारणों से बड़े–बड़े शहरों में रहने के लिए जाते हैं। इन बड़े शहरों में उनके जीवन–संघर्ष की जानकारी ।

"NCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"